**सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2014**
**-रिपोर्ट-**

केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार एवं वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार सीएसआईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में **27 अक्टूबर से 1 नवंबर 2014** तक **'सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2014'** का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अखंड एवं एकीकृत भारत के प्रतीक तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री एवं अमर स्वतंत्रता सेनानी **लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल** की याद में उनके जन्म दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। सप्ताह के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है –

**शपथ ग्रहण**

आयोजन का उदघाटन 27 अक्टूबर 2014 को पूर्वाह्न 11 बजे संस्थान के सभागार में आयोजित समारोह में किया गया। इस अवसर पर संस्थान के **निदेशक डॉ चंद्रशेखर** ने सभी **सहकर्मियों को अपने क्रियाकलापों में ईमानदारी व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने, भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सदा प्रयासरत रहने, संस्थान के विकास एवं प्रतिष्ठा के प्रति सजग एवं सचेत रहने, अपने कर्तव्य के पालन तथा पक्षपात के बिना कार्य करने की शपथ दिलाई**।

*सतर्कता जागरूकता की शपथ ग्रहण करते हुए सहकर्मी*

अपने संक्षिप्त उदबोधन में उन्होंने सुशासन में सतर्कता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मानवीय मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया।

*सहकर्मियों को संबोधित करते हुए निदेशक महोदय*

उन्होंने भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि इससे शासन में पारदर्शिता बढ़ने से भ्रष्टाचार पर निश्चित रूप से अंकुश लगा है। साथ ही शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में न केवल जागरूकता व पहुँच बढ़ी है अपितु शासकीय कार्यों में नागरिक-भागीदारी में भी बढ़ोत्तरी हुई है।

अपने संबोधन में उन्होंने मानव मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें बाह्य वातावरण से ही नहीं अपितु स्वयं से भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अहंकार व प्रतिशोध की भावना हमें कर्तव्य पालन से रोकती है। कार्यालय में कार्य के दौरान किसी के अभद्र व्यवहार पर उसे भी उसी प्रकार जवाब देने से न केवल कार्यालय का वातावरण खराब होता है बल्कि कार्य-निष्पादन भी प्रभावित होता है।

उन्होंने सहकर्मियों को सरल शब्दों में प्रशासन व सतर्कता का महत्व समझाते हुए कहा कि हमें सतर्कता या विजिलेन्स से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है अपितु हमें अपने दायित्वों व कर्तव्यों के प्रति सतर्क व जागरूक रहना होगा। उन्होंने कहा कि विजिलेन्स केवल चोरी या गलती पकड़ने का माध्यम नहीं है अपितु यह हमें अपने दायित्वों को भली प्रकार से निभाने के लिए मार्गदर्शन देता है। उन्होंने सहकर्मियों से अपनी सभी सेवाओं को बेहतर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी जिम्मेदारी अच्छी प्रकार से निभाने की अपील की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हम न केवल अपने साथी कर्मचारियों बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के प्रति भी अपना व्यवहार सही

रखेंगे। इससे हमारी कार्य संस्कृति व वातावरण और अधिक बेहतर और सुंदर होगा।

उदघाटन सत्र का संचालन करते हुए
श्री महेन्द्र सिंह, अनुभाग अधिकारी

उदघाटन सत्र का संचालन करते हुए **श्री महेन्द्र सिंह , अनुभाग अधिकारी ने** स्वतंत्रता के उपरान्त भारत की एकता व अखंडता के लिए लौहपुरुष सरदार पटेल के योगदान को याद किया तथा कहा कि पूरे देश के केंद्रीय सरकार के कार्यालयोंमें इस अवधि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने सप्ताहपर्यन्त आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर उन्होंने सहकर्मियों को भारत के राष्ट्रपति, गृहमंत्री तथा मुख्य सतर्कता आयुक्त का संदेश पढ़ कर सुनाया। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी सहकर्मियों से सप्ताह के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया।

## प्रतियोगिताएँ

सप्ताह के दौरान संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सप्ताहपर्यन्त आयोजित की गई प्रतियोगिताओं तथा उनके विजेताओं का विवरण निम्नवत है :

**1. निबंध लेखन** दिनांक 28.10.2014

**विषय : "सुशासन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग"**

**प्रथम :** श्री सुभाष चंद्र यादव, सहायक (सा.) ग्रेड1

**द्वितीय:** श्री सुनील उदयवाल, सहायक(भं-क्र) ग्रेड1

श्री जितेन्द्र गुप्ता, सहायक (वि-ले) ग्रेड1

**तृतीय** : श्री प्रहलाद राय, अनु. अधिकारी(भं-क्र)

**2. वाद विवाद** दिनांक 29.10.2014

**विषय : "भ्रष्टाचार से संघर्ष -प्रौद्योगिकी एक संबल के रूप में "**

**विजेता (पक्ष)**

**प्रथम** : श्री मुरली धर, सहायक(भं- क्र) ग्रेड 1

**द्वितीय** : श्री सुनील उदयवाल, सहायक (भं- क्र)1

**तृतीय** : डॉ भाउसाहेब ए बोत्रे, वैज्ञानिक

**विजेता (विपक्ष)**

**प्रथम** : श्री चंद्रशेखर शर्मा, तकनीकी सहायक

**द्वितीय** : श्री जितेन्द्र गुप्ता, सहायक (वि-ले) ग्रेड1

आमंत्रित व्याख्यान देते हुए श्री एल आर मीना, भंडार व क्रय नियंत्रक, सीएसआईआर-एचआरडीसी, गाज़ियाबाद

## आमंत्रित व्याख्यान

प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त सहकर्मियों के लाभार्थ 30 अक्टूबर 2014 को आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें **श्री एल आर मीना,** भंडार व क्रय नियंत्रक, मानव संसाधन विकास केन्द्र, गाज़ियाबाद ने **"सार्वजनिक खरीद में निवारक सतर्कता"** विषय पर अत्यंत महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। व्याख्यान के उपरांत संस्थान के कार्यकारी निदेशक श्री राहुल वर्मा ने श्री मीना को **शॉल व स्मृति चिह्न भेंट** कर सम्मानित किया।

## समापन सत्र एवं पुरस्कार वितरण

संस्थान में दिनांक 31.10.2014 को आयोजित किए गए समापन समारोह में संस्थान के **कार्यकारी निदेशक श्री राहुल वर्मा** ने सप्ताह पर्यन्त आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर एक सजग

नागरिक के दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार पर नियंत्रण में सरकार और नागरिकों दोनों की ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

*विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कार्यकारी निदेशक*

समापन सत्र के अवसर पर उन्होंने कहा कि सतर्कता सप्ताह आयोजन का उद्देश्य सहकर्मियों को सतर्कता व भ्रष्टाचार के विषय में जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है। सहकर्मियों का आह्वान करते हुए कहा कि हमें भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी अवश्य निभानी चाहिए तथा यदि हम सभी कार्यालय में दिए गए कार्य को पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पूर्ण करें तो संस्थान व राष्ट्र की प्रगति में यह हमारा योगदान होगा।

*सहकर्मियों को संबोधित करते हुए*
*कार्यकारी निदेशक श्री राहुल वर्मा*

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दे कर उनका उत्साहवर्द्धन किया।

इससे पूर्व संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी **श्री रोहित गुप्ता** ने सप्ताहपर्यन्त आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। अपने संक्षिप्त उदबोधन में उन्होंने सभी सहकर्मियों से अपने कार्यालयी तथा अन्य कार्यों में सतर्क व जागरूक रहने का आह्वान किया तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी।

*सप्ताह पर्यन्त आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए*
*श्री रोहित गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी*

अंत में आयोजन समिति के अध्यक्ष **डॉ. एस अली अकबर, प्रमुख वैज्ञानिक** ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान के निदेशक, आयोजन समिति तथा सप्ताहपर्यन्त आयोजित इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

*धन्यवाद ज्ञापन देते हुए डॉ. एस अली अकबर, प्रमुख वैज्ञानिक*

समापन सत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन **श्री महेन्द्र सिंह,** अनुभाग अधिकारी ने किया। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए सभी सहकर्मियों को संस्थान के आयोजनों में बढ़-चढ़ कर सम्मिलित होने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें भ्रष्टाचार के उन्मूलन की दिशा में सतत प्रयासरत रहना होगा तभी इस समस्या से हमें छुटकारा मिल सकता है।

इस प्रकार संस्थान में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2014' संपन्न हुआ।